## एमजीएम कॉलेज में फिर रैगिंग

- फ्रेशर्स को फ्लैट पर ले जाकर पीटा, तीन घंटे तक कमरे में बंद रखा
- शिकायत यूजीसी तक पहुंची, कमेटी ने चार सीनियरों को किया सस्पेंड

नव भारत न्यूज

**इंदौर.** महात्मा गांधी मेमोरियल मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है. एमबीबीएस फर्स्ट ईयर के स्टूडेंट्स ने राष्ट्रीय एंटी-रैगिंग सेल को शिकायत भेजकर आरोप लगाया कि 2024 बैच के सीनियरों ने उन्हें रात में निजी फ्लैट पर बुलाकर मारपीट, गाली-गलौज और शराब-सिगरेट के लिए मजबूर किया. शिकायत पर कार्रवाई करते हुए कॉलेज प्रशासन ने चार सीनियर छात्रों को एक माह के लिए निलंबित कर दिया है.

एमजीएम मेडिकल कॉलेज में रैगिंग का यह नया मामला ऐसे समय में सामने आया है जब संस्थान पिछले दो सालों से लगातार रैगिंग विवादों में घिरा हुआ है. बार-बार चेतावनी, जांच और कार्रवाई के बाद भी कैंपस में भय और दबाव की पुरानी संस्कृति जस की तस बनी हुई है, यहां एक फिर रैगिंग का वायरस फैल गया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार फ्रेशर्स ने 18 नवंबर को यूजीसी एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई थी. अगले दिन प्रकरण कॉलेज प्रशासन के पास पहुंचा और 20 नवंबर को एंटी-रैगिंग सेल की तत्काल बैठक बुलाकर कार्रवाई शुरू कर दी गई. पीड़ित छात्रों कमेटी के सदस्यों को बताया कि 2024 बैच के कुछ सीनियर उन्हें रात में एक निजी फ्लैट पर लेकर गए. अंदर पहुंचते ही गाली-गलौज, धमकाने और थापड़-घूंसों से मारपीट शुरू हो गई. छात्रों का आरोप है कि उन्हें शराब-सिगरेट पीने का दबाव भी बनाया और करीब तीन घंटे तक कमरे में बंद रखकर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया. शिकायत में यह भी बताया गया है कि उन्हीं के बैच का एक छात्र सीनियरों का मैसेंजर बनकर काम कर रहा था और उसी ने फ्रेशर्स को फ्लैट तक बुलाने की व्यवस्था की.

**तनाव में है छात्र**-फ्रेशर्स ने अपनी शिकायत में साफ लिखा है कि घटना के बाद वे गंभीर तनाव में हैं और क्लास, हॉस्टल, कहीं भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे. उन्होंने सुरक्षा बढ़ाने और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है.

### यूजीसी ने जारी किया नोटिस

शिकायत सामने आने के बाद यूजीसी ने कॉलेज को नोटिस जारी किया है. निर्देशों में कहा गया है कि. पीड़ित छात्रों की पहचान कर काउंसलिंग की जाए, उनकी सुरक्षा की व्यवस्था की जाए, तत्काल जांच शुरू कर विस्तृत रिपोर्ट भेजी जाए, शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखी जाए.

> **पहले भी पूर्व छात्रों ने किया था खुलासा**
>
> वहीं कई पूर्व छात्रों ने खुलासा किया था कि सीनियर थप्पड़ मारते हैं, घंटों स्क्वॉट्स और पुश-अप्स करवाते हैं और मानसिक दबाव बनाते हैं. यह सब ऐसे तरीके से किया जाता है कि शरीर पर कोई निशान न दिखे, जिससे शिकायत साबित करना मुश्किल हो जाए.

> **एक पीजी डॉक्टर तो हो गई थी गंभीर बीमार**
>
> हाल ही में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की एक पीजी डॉक्टर ने सीनियर रेजिडेंट्स पर मानसिक प्रताड़ना, झूठे आरोप लगाने और अतिरिक्त नाइट ड्यूटी देने की शिकायत की थी. तनाव इतना बढ़ा कि उनका 22 किलो वजन कम हो गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था.

## 4 .32 करोड़ की ठगी में 3 आरोपी पकड़ाए, 6 बैंक अकाउंट फ्रीज

- डिजिटल अरेस्ट गैंग पर साइबर सेल ने की कार्रवाई

नव भारत न्यूज

**इंदौर. शहर के रिटायर्ड मेडिकल अधिकारी को डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 4.32 करोड़ रुपए से ठगने वाले गिरोह पर स्टेट साइबर सेल ने तगड़ा प्रहार किया है. साइबर ठगों द्वारा राशि गुजरात, गोवा, यूपी और तेलंगाना के 6 बैंक खातों में घुमाई गई थी, जिन्हें साइबर सेल ने तत्काल फ्रीज करवाकर मध्य प्रदेश से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी अदालत में पेश किए गए और जेल भेजे जा चुके हैं.**

स्टेट साइबर सेल इंदौर की टीम निरीक्षक सरिता सिंह ने बताया कि इंदौर में रहने वाले सेवानिवृत्त मेडिकल अधिकारी के साथ डिजिटल अरेस्ट जैसी सुनियोजित साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है. साइबर ठगों ने स्वयं को ट्राई अधिकारी बताकर पीड़ित को यह विश्वास दिलाया कि उनका आधार कार्ड मुंबई के 538 करोड़ के मनी लांड्रिंग केस में इस्तेमाल हुआ है. इसके बाद एक महीने तक लगातार कॉल, वीडियो कोर्टरूम दिखाकर डराने और संपत्ति का ब्यौरा मांगने के बाद पीड़ित से चार करोड़ 32 लाख रुपए विभिन्न खातों में ट्रांसफर करा लिए. ठगों ने पीड़ित को बच्चों और रिश्तेदारों से बात करने तक से रोके रखा. यहां तक कि जब पीड़ित एफडी तोड़ने के लिए बैंक पहुंचे, तब भी उन्होंने बैंक स्टाफ को मुंबई में फ्लैट खरीदने का कारण बताकर बात टाल दी. शिकायत मिलते ही स्टेट साइबर सेल ने गृह मंत्रालय के समन्वय प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए मुंबई सहित कई राज्यों के खातों को फ्रीज कराया. सभी ट्रांजैक्शंस का ट्रेल खंगालते हुए टीम ने एक-एक लिंक जोड़कर ठगी से जुड़े तीन आरोपियों को पकड़ लिया. जिसमें मुख्य रुप से सादिक पटेल, निवासी पंथमुंडला, जिला देवास शाहिद खान, निवासी जानसापुरा, उज्जैन, सोहेल खोकर, निवासी रतलाम, हाल निवास भोपाल है. तीनों को कोर्ट में पेश किया था जहां से उन्हें जेल भेज दिया.

### एक महीने तक मनोवैज्ञानिक दबाव में रहा पीड़ित

ठगों ने पीड़ित को लगातार यह कहकर भ्रमित किया कि उनके खिलाफ वित्तीय अपराध में गिरफ्तारी वारंट जारी हो सकता है. फर्जी ऑनलाइन कोर्ट की सुनवाई दिखाकर उन्हें घंटों तक बांधे रखा. डर के माहौल में पीड़ित ने किसी से सलाह तक नहीं ली और घर गिरवी रखकर लोन लेने की तैयारी तक कर ली थी.

## दवा बाजार में घायल मिले निगमकर्मी की एमवाय में मौत

*पुलिस ने जांच शुरू की*

नव भारत न्यूज

**इंदौर. तीन दिन पहले दवा बाजार क्षेत्र में बेसुध अवस्था में मिले नगर निगम के कर्मचारी की गुरुवार देर रात अस्पताल में मौत हो गई. परिजन सूचना न मिलने पर सवाल उठा रहे हैं. मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच कर रही है.**

दवा बाजार इलाके में घायल अवस्था में मिले नगर निगम के स्थायी कर्मचारी 65 वर्षीय राजेंद्र गौसर की गुरुवार रात एमवाय अस्पताल में मौत हो गई. तीन दिन पहले उन्हें गंभीर हालत में वहाँ भर्ती कराया गया था. पुलिस ने मर्ग कायम कर मौत के कारणों की जांच शुरू कर दी है. राजेंद्र गौसर निवासी शंकरबाग थे और नगर निगम की कचरा गाड़ी पर कार्यरत थे. उनके पुत्र नितिन, जो यूनिवर्सिटी में कर्मचारी हैं, ने बताया कि घटना वाले दिन जब पिता घर नहीं लौटे तो उन्होंने आसपास पूछताछ की, लेकिन कहीं से कोई जानकारी नहीं मिली. पुलिस से पूछने पर भी उस समय कोई सुराग नहीं मिला. कुछ देर बाद उन्हें सूचना मिली कि दवा बाजार में कोई व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा है. मौके पर पहुँचने पर वह उनके पिता ही निकले. उनके सिर पर चोट के निशान थे, जिसके चलते उन्हें तत्काल एमवाय अस्पताल ले जाया. तीन दिन तक चले इलाज के बाद गुरुवार रात करीब 11 बजे उनकी मौत हो गई. पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि राजेंद्र कैसे घायल हुए क्या यह दुर्घटना का मामला है या किसी अन्य कारण से वे घायल हुए थे. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

## वेंटिलेटर के लिए 5 घंटे तक परेशान होते रहे माता-पिता

- सरकारी अस्पतालों में जगह न मिलने से आठ माह की बच्ची की हालत नाजुक

नव भारत न्यूज

**इंदौर.** खंडवा से इंदौर लाई गई आठ महीने की बच्ची को शहर के किसी भी सरकारी अस्पताल में समय पर वेंटिलेटर नहीं मिल सका. माता-पिता उसे एक से दूसरे अस्पताल ले जाते रहे और पाँच घंटे तक बच्ची एम्बुलेंस में ही वेंटिलेटर पर रही.

सरकारी अस्पतालों में वेंटिलेटर की उपलब्धता बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है. गुरुवार को खंडवा से रैफर की गई आठ महीने की बच्ची को शहर में कहीं भी तत्काल वेंटिलेटर नहीं मिला, जिसके कारण परिजन करीब पाँच घंटे तक अस्पतालों के चक्कर लगाते रहे. बच्ची की हालत अब भी गंभीर बताई जा रही है. हीरागांव पंधाना (खंडवा) निवासी नितेश दांगोदे की आठ माह की बेटी को ब्रेन से जुड़ी गंभीर बीमारी है. पिछले सप्ताह से वह खंडवा के सरकारी अस्पताल में भर्ती थी. गुरुवार को तबीयत बिगड़ने पर नितेश उसे एम्बुलेंस 108 से इंदौर लेकर आए. दोपहर करीब 2 बजे वे एमवाय अस्पताल पहुँचे, जहाँ जांच के बाद बच्ची को चेस्ट वार्ड भेजा, यहाँ उपलब्ध सभी 20 वेंटिलेटर पहले से भरे हुए थे. इसके बाद बच्ची को दूसरी मंजिल स्थित पीआईसीयू भेजा, लेकिन यह यूनिट केवल सर्जरी वाले बच्चों के लिए होने के कारण वहाँ भी भर्ती करना संभव नहीं था. एम्बुलेंस स्टाफ उसे लेकर जीपीओ स्थित पीसी सेठी अस्पताल पहुँचा, जहाँ एक माह तक के शिशुओं का यूनिट है और सभी पाँच वेंटिलेटर उपयोग में थे. आगे उन्हें एमटीएच अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहाँ भी केवल नवजात यूनिट होने की वजह से बच्ची को दाखिल नहीं किया जा सका. लगातार चार सरकारी अस्पतालों में जगह न मिलने के बाद एम्बुलेंस में ही इंतजार करना पड़ा. 108 स्टाफ ने बच्ची को चेस्ट सेंटर परिसर में खड़े वाहन में ही वेंटिलेटर पर रखा और एमवाय व अन्य अस्पतालों से उपलब्धता की जानकारी लेते रहे.

> **चाचा नेहरू चिकित्सालय में मिला वेंटिलेटर**
>
> इस दौरान चेस्ट वार्ड के डॉक्टर बाहर आए और एम्बुलेंस में ही बच्ची की स्थिति संभाली. मामला एमवाय अस्पताल के सुपरिंटेंडेंट डॉ. अशोक यादव के संज्ञान में आने पर उन्होंने समन्वय कराया और अंततः बच्ची को चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय के नए चेस्ट वार्ड में वेंटिलेटर उपलब्ध कराया. परिजनों का कहना है कि समय पर व्यवस्था नहीं मिलने से वे घंटों परेशान रहे. पूरे घटनाक्रम ने शहर के सरकारी अस्पतालों में बाल रोग यूनिट और वेंटिलेटर प्रबंधन की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया है.

### एक नजर में

### हॉस्टल छात्रों से लसूड़िया पुलिस का संवाद

इंदौर. युवा वर्ग को नशे और अनुशासनहीन गतिविधियों से बचाने के लिए लसूड़िया पुलिस ने हेलो वर्ल्ड हॉस्टल में छात्रों के साथ जागरूकता बैठक कर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी. वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर लसूड़िया थाना प्रभारी ने हेलो वर्ल्ड हॉस्टल में छात्र-छात्राओं के साथ जागरूकता बैठक आयोजित की. बैठक में युवाओं को नशे से दूर रहने, किसी भी प्रकार की अव्यवस्थित या जोखिमपूर्ण गतिविधि में शामिल न होने और नशे की हालत में वाहन न चलाने के लिए प्रेरित किया. थाना प्रभारी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि परिवार उन्हें बड़े सपनों और भरोसे के साथ पढ़ाई के लिए भेजता है, ऐसे में उनकी जिम्मेदारी है कि वे अनुशासन का पालन करते हुए अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहें. उन्होंने कहा कि युवावस्था ऊर्जा और संभावनाओं से भरी होती है, जिसे सही दिशा मिले तो भविष्य संवरता है. बैठक में छात्रों को मेहनत, जिम्मेदारी और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी गई. साथ ही उन्हें यह भी समझाया गया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या परिस्थिति की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके. इस अवसर पर लसूड़िया थाना प्रभारी, द्वितीय अधिकारी नीतू सिंह और बीट स्टाफ मौजूद रहा.

### फरार युवक आखिर पुलिस के हत्थे चढ़ा

इंदौर. हत्या के प्रयास सहित गंभीर धाराओं में नामजद और घटना के बाद से लगातार ठिकाने बदलकर भाग रहा आरोपी हीरानगर पुलिस की पकड़ में आ गया. पुलिस पिछले कई महीनों से उसकी लोकेशन ट्रेस कर रही थी, पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है. हीरानगर थाना प्रभारी को भी लंबित मामलों में फरार आरोपियों को पकड़ने के निर्देश दिए गए थे. कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए थाना स्टाफ ने हत्या के प्रयास के मामले में काफी समय से पुलिस से बचता फिर रहा संजू उर्फ संजू चौधरी को गिरफ्तार कर लिया. थाना प्रभारी सतीश पटेल ने बताया कि आरोपी 23 वर्षीय संजू पिता बलवीर चौधरी, निवासी ग्राम पत्रापुरा, तहसील लहार, जिला भिंड, हाल गौरीनगर खातीपुरा इंदौर, पर कई धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज है. घटना के बाद से वह लगातार लोकेशन बदलते हुए फरारी काट रहा था, जिससे पुलिस को उसे ट्रेस करने में समय लगा. हीरानगर पुलिस ने आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की. प्रारंभिक पूछताछ में उसने फरारी के दौरान बदले गए ठिकानों और इस अवधि में मदद करने वालों के बारे में जानकारी देना शुरू कर दिया है. पुलिस अब उसके सहयोगियों की भूमिका की भी जांच कर रही है.

### कलेक्टर ने पांच बदमाशों को किया जिलाबदर

इंदौर. कलेक्टर शिवम वर्मा ने इंदौर जिला अन्तर्गत ग्रामीण थाना क्षेत्रों में आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाँच अपराधियों को 6 माह के लिये जिलाबदर कर दिया है. जिन अपराधियों को जिलाबदर किया गया है उनमें अनिल पिता अर्जुन बारिया, निवासी ग्राम आडा पहाड जिला इंदौर, एहमद उर्फ अहमद पिता मजीद दरबारी निवासी पत्ती बाजार महू, इमरान पिता अनवर खटखट निवासी बंडा बस्ती महू, संजू उर्फ संजय पिता लीलाधर पवार निवासी ग्राम बाबल्या खेड़ी जिला इंदौर और लक्की उर्फ कल्ली पिता लेखराज वर्मा निवासी संजय गांधी कालोनी महू शामिल हैं. इनमें से महू के आरोपी एहमद और इमरान के विरूद्ध घर में घुसकर तोड़फोड़ करने, घातक हमला करने, साम्प्रदायिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने, दंगा करने सहित गंभीर अपराध दर्ज हैं, इसी तरह अन्य आरोपियों अनिल बारिया, संजू पंवार, लक्की वर्मा के विरूद्ध भी मारपीट, जान से मारने की धमकी देने, हथियार का उपयोग करने एवं लोगों का रास्ता रोककर अवैध वसूली करने, राहगीरों को धमकाने, महिलाओं से अभद्र व्यवहार, शराब पीकर उपद्रव जैसे कई संगीन मामलों में प्रकरण पंजीबद्ध हैं.

## बेतरतीब यातायात से पाटनीपुरा चौराहे पर लगा जाम

- वाहन हुए गुत्थमगुत्था, वाहन चालक हुए परेशान

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर की सड़कों पर बढ़ते अव्यवस्थित ट्रैफिक का मामला पाटनीपुरा चौराहे पर देखने को मिला, जहां वाहन चालकों की मनमानी और संकेतकों की अनदेखी के कारण जाम लग गया. नियम तोड़ने की इस होड़ में चौराहा अनिश्चितकालीन जाम के मुहाने में तब्दील हो गया.

शहर के सबसे व्यस्त माने जाने वाले पाटनीपुरा चौराहे पर शुक्रवार शाम ऐसा दृश्य देखने को मिला. लाइन पर चलने की बजाय आगे निकलने की होड़, रेड सिग्नल पर वाहन रोकने की बजाए उसे पार करने की जल्दबाज़ी और किसी भी दिशा से घुसने की मंशा ने चौराहे की पूरी लय बिगाड़ दी. यही वजह रही कि कुछ ही मिनटों में हालात इस कदर बिगड़े कि चारों ओर से वाहन एक-दूसरे के सामने आ खड़े हुए. किसी को निकलने की जगह नहीं मिली तो किसी ने जगह देने की कोशिश नहीं की. नतीजतन चौराहा धीरे-धीरे ऐसे जाम से भर गया, मानो अनिश्चित काल तक वहीं थम जाने वाला हो. ट्रैफिक पुलिस को भारी मशक्कत कर मार्ग को सुचारू करना पड़ा, लेकिन यह तस्वीर यह भी बता गई कि यदि नियमों की अनदेखी और जल्दबाज़ी की यही प्रवृत्ति जारी रही, तो शहर की सड़कें और चौराहे इसी तरह अपनी ही अव्यवस्था के बोझ से जाम के स्थायी केंद्र बनते जाएंगे.

चित्र- राजकुमार जैन ( यातायात प्रबंधन मित्र)

## 60 ग्राम से अधिक एमडी ड्रग्स के साथ तस्कर गिरफ्तार

- करीब 6 लाख का माल जब्त, पुलिस कर रही पूछताछ

नव भारत न्यूज

इंदौर. क्राइम ब्रांच ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत माल गोदाम क्षेत्र से एक तस्कर को दबोचा. आरोपी के पास से लगभग 60.08 ग्राम एमडी बरामद हुई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब छह लाख रुपए बताई जा रही है.

शहर में नशीले पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस आयुक्त के निर्देश पर क्राइम ब्रांच ने लगातार कार्रवाई तेज कर रखी है. इसी क्रम में टीम ने लक्ष्मीबाई नगर स्थित माल गोदाम कार्यालय के पास से संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर एक युवक को पकड़ा. पुलिस को देखकर घबराए इस युवक की तलाशी लेने पर उसके पास से 60.08 ग्राम अवैध मादक पदार्थ 'एमडी' बरामद हुआ. पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कुलदीप मेघवाल, निवासी झालावाड़ (राजस्थान) बताया. वह पेशे से पेंटर है और पांचवीं तक पढ़ा है. पकड़े जाने के दौरान उसने भागने की कोशिश भी की, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। बरामद एमडी की अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 6 लाख रुपए आंकी गई है. आरोपी ने बताया कि वह सस्ते दामों पर मादक पदार्थ खरीदकर शहर में नशे के आदी लोगों को अधिक दामों पर बेचता था. क्राइम ब्रांच ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है. एडीसीपी राजेश दंडोतिया का कहना है कि शहर में मादक पदार्थों की आपूर्ति करने वालों की पहचान कर लगातार दबिश दी जा रही है.

## ट्रैफिक पुलिस ने 13 वाहनों के बनाए चालान

- बिना नंबर प्लेट, तीन सवारी व मॉडिफाइड साइलेंसर वाली गाड़ियों पर कार्रवाई

नव भारत न्यूज

**इंदौर. कोतवाली चौक पर यातायात पुलिस महू की विशेष कार्रवाई में बिना नंबर प्लेट वाले दोपहिया, तीन सवारी और मोडिफाइड साइलेंसर लगी बुलेट गाड़ियों पर सख्त चेकिंग की गई. दस्तावेज़ सत्यापन से लेकर साइलेंसर जब्ती तक एक ही अभियान में 13 चालान बनाए.**

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर महू ट्रैफिक पुलिस ने कोतवाली चौक क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया. अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रूपेश द्विवेदी और डीएसपी ट्रैफिक नितिन सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का फोकस सड़क सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा करने वाले वाहनों पर था. जांच के दौरान दोपहिया वाहनों के दस्तावेज़, नंबर प्लेट, रजिस्ट्रेशन और वाहन मालिक की पहचान की गहन पड़ताल की गई. नियम विरुद्ध तीन सवारी चलाने वालों और बिना नंबर प्लेट दौड़ रही बाइक को रोककर मौके पर चालान किया. इसके अलावा बुलेट मोटरसाइकिलों में लगाए गए मोडिफाइड साइलेंसर जब्त कर उनके चालकों पर भी कार्रवाई की गई. पूरी कार्रवाई के दौरान कुल 13 वाहनों के चालान बनाए गए. यातायात पुलिस ने कहा कि ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे, ताकि मुख्य मार्गों पर शोर प्रदूषण, अवैध मॉडिफिकेशन और अनुशासनहीन वाहन संचालन पर लगाम लगाई जा सके. अगर चाहें तो इसे और अधिक संक्षिप्त या फिर लीड न्यूज़ फॉर्मेट में भी री-ड्राफ्ट कर सकता हूँ.

### एक नजर में

**यातायात विभाग फिर कर रहा अनदेखी, हो सकती है बड़ी दुर्घटना**

## शहर के कई मार्गों पर जारी है भारी वाहनों का प्रवेश

इंदौर. पुलिस-प्रशासन की लापरवाही इतनी बढ़ चुकी है कि अब सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालय कुछ खास मामलों में स्वतः संज्ञान लेने लगी है. फिर भी नौकरशाही के कान में जू तक नहीं रेंग रही. आज भी शहर के कई मुख्य मार्गों पर भारी वाहनों का प्रवेश जारी है.

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शहर के स्ट्रीट डॉग पर अदेश जारी किया था. इसके बाद अब उच्च न्यायालय ने शहर के बेलगाम यातायात पर अधिकारियों को तलब कर लिया. ऐसी खबरों से यह लग रहा है कि आराम करने वाले अधिकारियों के बुरे दिन आ चुके है या यूं कहे कि लापरवाही की अब हद हो चुकी है. भारी वाहनों से बढ़ती दुर्घनाओं से यातायात विभाग आज भी सबक नहीं सिख रहा है. वह सिर्फ अपने टारगेट को पूरा करने में लगा रहता है जबकि भारी वाहनों का प्रवेश निषेध होने के बावजूद ले-दे कर उन्हें छोड़ा जा रहा और यहां घोर लापरवाही है. इसी तरह की गैर-जिम्मेदाराना के चलते अब तक कई घटनाओं में मसूमों की जान जा चुकी है. चंदन नगर, बड़ा कालानी नगर, राजेन्द्र नगर, भंवर कुआं. तीन ईमली, पालदा, लसूड़िया, एमआर-10, बापट के मुख्य मार्ग है जहां से आमजनता का बड़ी संख्या में आना जाना लगा फिर से अनदेखी करना बड़ी अनहोनी को दावत देना है.

### इनका कहना है ...

अब ऐसा तो नहीं हो सकता कि हर बात के लिए आज जनता न्यायालय की शरण में जाए. यह तो संबंधित विभाग को चाहिए कि वह अपने कार्य में लापरवाही न करें.

**- रेहान खान**

पिछले कुछ वर्षों से शहर की सड़कों पर यातायात का भार अधिक बढ़ रहा है लेकिन इसके मुताबिक विभाग का अमला आज भी कम पड़ता है जो अव्यवस्था का मुख्य कारण है.

**- विपिन शर्मा**

लापरवाही और नियमों की सख्ती की जाए तो लगभग सड़क दुर्घनाओं में बड़ी कमी आएगी. भारी वाहनों के प्रवेश के लिए आज तक नीति नहीं बनाई गई जो बड़ी लापरवाही है.

**- नवीन भाटिया**